SVETILEN samopodoben

„Τοίς Μαθηταίς συνέλθωμεν“ / „Со ᲂу҆чн҃кѝ взы́демъ“

Popri cykle 8 hlasov sa na utierni realizuje aj cyklus 11 evanjelií, svetilnov a evanjeliových (ranných) stichír. Štruktúra textu všetkých 11 svetilnov aj s ich theotokiami je zhodná. Štruktúrovanie textu vzhľadom k jeho výpovedi nie je ideálne, je tu množstvo presahov a situácií, keď rytmus dominuje nad významom. Paralelný csl. text sme miestami zo študijných dôvodov upravili v slovoslede podľa gréckej predlohy – pokiaľ by sa však svetilen mal spievať, treba zvážiť, nakoľko má zmysel otrocky sa držať gréckeho slovosledu.

a) Prvý svetilen sa uvádza ako samopodoben ***„So učenikí vzýdem.“*** Všetkých ostatných 10 svetilnov sa spieva rovnakým nápevom, ktorý je podľa gréckych prameňov z 2. hlasu.[1]

b) Na daný podoben sa spieva tiež svetilen **Zvestovania presv. Bohorodičke** (25.3.) a ďalšie svetilny (napr. nedeľa **o Mýtnikovi a Farizejovi, Mäsopôstna** nedeľa, …).

© 2010 irmologion.nfo.sk

[1] Domnienka, že sa svetilny majú spievať na rovnaký hlas ako evanjeliové stichiry, nie je opodstatnená.

SAMOPODOBEN: **„Τοίς Μαθηταίς συνέλθωμεν“ / „Со ѹ҆чн҃кѝ взы́демъ“**

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ Α'

Τοίς Μαθηταίς συνέλθωμεν, 8^{G} εν όρει Γαλιλαίας, 7^{E}
πίστει Χριστόν θε- άσασθαι, 8^{G} λέγοντα εξουσίαν, 7^{E}
λαβείν τών άνω καί κάτω, 8^{G} //
μά-θωμεν πώς διδάσκει, 7^{E}
βαπτίζειν εις τό όνομα 8^{G} τού Πατρός, έθνη πάντα, 7 καί τού Υιού, 4^{G}
καί αγίου Πνεύματος, 7 καί συνείναι, 4^{E}
τοίς Μύσταις ώς υπέσχετο, 8^{G} έ-ως τής συντελείας. 7^{E}

Θεοτοκίον

Τοίς Μαθηταίς συνέχαιρες, Θεοτόκε Παρθένε,
ότι Χριστόν εώρακας, αναστάντα εκ τάφου,
τριήμερον καθώς είπεν, //
οίς καί ώφθη διδάσκων,
καί φανερών τά κρείττονα, καί βαπτίζειν κελεύων εν τώ Πατρί,
καί Υιώ καί αγίω Πνεύματι, τού πιστεύειν,
αυτού ημάς τήν έγερσιν, καί δοξάζειν σε Κόρη.

Е҆ѯапостїла́рїй а҃:

Со ѹ҆чн҃кѝ взы́демъ на го́рꙋ галїле́йскꙋю,
вѣ́рою хр҇та̀ ви́дѣти / глаго́люща, вла́сть
прїѧ́ти вы́шнихъ и҆ ни́жнихъ, //
наꙋчи́мсѧ ка́кѡ ѹ҆чи́тъ
крещѧ́ти, во и҆́мѧ ѻ҆ц҃а̀, ꙗ҆зы́ки всѧ̑, и҆ с҃на,
и҆ с҃та́гѡ д҃ха, и҆ пребыва́ти
съ таи́нники, ꙗ҆́коже ѡ҆бѣща́сѧ, до сконча́нїѧ вѣ́ка.

Бг҃оро́диченъ:

Со ѹ҆чн҃кѝ ра́довалассѧ є҆сѝ бц҃е дв҃о,
ꙗ҆́кѡ хр҇та̀ ви́дѣла є҆сѝ / воскр҇шаго ѿ гро́ба
тридне́вна, ꙗ҆́коже речѐ: //
и҆̀мже и҆ ꙗ҆ви́сѧ, наꙋча́ѧ
и҆ ꙗ҆влѧ́ѧ лꙋ́чшаѧ, и҆ крещѧ́ти повелѣва́ѧ, во ѻ҆ц҃ѣ̀,
и҆ с҃нѣ, и҆ д҃сѣ є҆́же вѣ́ровати
на́мъ тогѡ̀ воста́нїю, и҆ сла́вити тѧ̀ ѻ҆трокови́це.

Ďalšie svetilny na podoben **„Τοίς Μαθηταίς συνέλθωμεν“ / „Со ᲂу҆чн҃кѝ взы́демъ“**

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ Β'

Τόν λίθον θεωρήσασαι, αποκεκυλισμένον,
αι Μυροφόροι έχαιρον, είδον γάρ Νεανίσκον,
καθήμενον εν τώ τάφω, //
καί αυτός ταύταις έφη,
Ιδού Χριστός εγήγερται, είπατε σύν τώ Πέτρω, τοίς Μαθηταίς,
Εν τώ όρει φθάσατε Γαλιλαίας,
εκεί υμίν οφθήσεται, ώς προείπε τοίς φίλοις.

Θεοτοκίον

Άγγελος μέν εκόμισε, τή Παρθένω τό, Χαίρε,
πρό σής Χριστέ συλλήψεως, Άγγελος δέ τόν λίθον,
εκύλισέ σου τού τάφου, //
αντί λύπης ο μέν γάρ,
χαράς αφράστου σύμβολα, ο δέ αντί θανάτου, σέ χορηγόν,
τής ζωής κηρύττων καί μεγαλύνων,
καί λέγων τήν Ανάστασιν, Γυναιξί καί τοίς Μύσταις.

Є҆ξапостїла́рїй в҃:

Ка́мень ᲂу҆зрѣ́вша ѿвале́нъ
мѵ҆роно́сицы, ра́довахꙋся, / ви́дѣша во ю҆́ношꙋ
сѣдѧ́щꙋ во гро́бѣ, //
и҆ то́й тѣ̑мъ речѐ:
сѐ хрⷭ҇то́съ воста́лъ є҆́сть, рцы́те съ петро́мъ ᲂу҆чн҃кѡ́мъ:
на го́рꙋ приспѣ́йте галїле́йскꙋю,
та́мѡ ва́мъ ꙗ҆ви́тсѧ, ꙗ҆́коже предречѐ дрꙋгѡ́мъ.

Бг҃оро́диченъ:

А҆́гг҃лъ ᲂу҆́бѡ принесѐ дв҃ѣ, є҆́же ра́дꙋйсѧ,
пре́жде твоегѡ̀ зача́тїѧ хрⷭ҇тѐ, / а҆́гг҃лъ же ка́мень
ѿвалѝ гро́ба твоегѡ̀, //
вмѣ́стѡ печа́ли ѻ҆́въ ᲂу҆́бѡ
ра́дости неизрече́нныѧ зна́менїѧ, / ѻ҆́въ же въ сме́рти мѣ́сто, пода́телѧ тѧ̀
жи́зни пропов҃ѣ́дꙋѧ и҆ / велича́ѧ,
и҆ глаго́лѧ воскрⷭ҇нїе женა́мъ, и҆ та́инникѡмъ.

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ Γ'

Ότι Χριστός εγήγερται, 8 μή τις διαπιστείτω, 7
εφάνη τή Μαρία γάρ, 8 έπειτα καθωράθη, 7
τοίς εις αγρόν απιούσι, 8 //

Μύσταις δέ πάλιν ώφθη, 7
ανακειμένοις ένδεκα, 8 ούς βαπτίζειν εκπέμψας, 7 εις Ουρανούς, 4
όθεν καταβέβηκεν 7 ανελήφθη, 4
επικυρών τό κήρυγμα, 8 πλήθεσι τών σημείων. 7

Θεοτοκίον:

Ο ανατείλας Ήλιος, 8 εκ παστού ώς Νυμφίος, 7
από τού τάφου σήμερον, 8 καί τόν Άδην σκυλεύσας, 7
καί θάνατον καταργήσας, 8 //

σέ Τεκούσης πρεσβείαις, 7
φώς ημίν εξαπόστειλον, 8 φώς φωτίζον καρδίας, 7 καί τάς ψυχάς, 4
φώς βαδίζειν άπαντας 7 εμβιβάζον, 4
εν τρίβοις προσταγμάτων σου, 8 καί οδοίς τής ειρήνης. 7

Ꙗ҆́кѡ хрⷭ҇то́съ воскрⷭ҇е, никто́же ˘да не невѣ́рᲂуетъ:˘ (не не вѣ́рᲂуй)
ꙗ҆ви́сѧ бо марі́и, пото́мъ же ви́дѣнъ бы́сть
на село̀ и҆дᲂу́щимъ, //

таи҆́нникѡмъ же па́ки ꙗ҆ви́сѧ,
возлежа́щымъ є҆диннона́десѧтимъ, и҆̀хже креща́ти посла́въ, / на нб҃са̀,
ѿню́дᲂуже и҆ сни́де, вознесе́сѧ
ᲂу҆твержда́ѧ пропо́вѣданїе мно́жествы зна́менїй.

Бг҃оро́диченъ:

Возсїѧ́вшее сл҃нце, ꙗ҆́кѡ ѿ черто́га жени́хъ,
и҆з̾ гро́ба дне́сь, и҆ а҆́дъ плѣни́въ,
и҆ сме́рть ᲂу҆праздни́въ,

тебѐ ро́ждшїѧ мл҃твами,
свѣ́тъ на́мъ низпосли̂: свѣ́тъ, просвѣща́ющь сердца̀ и҆ дᲂу́шы:
свѣ́тъ, ходи́ти всѣ́хъ наставлѧ́ющь
на стєзѝ повелѣ́нїй твои́хъ, и҆ на пᲂу́ть ми́ра.

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ Δ'

Ταίς αρεταίς αστράψαντες, ίδωμεν επιστάντες,
εν ζωηφόρω μνήματι, άνδρας εν αστραπτούσαις,
εσθήσεσι Μυροφόροις, //
κλινούσαις εις γήν όψιν,
τού ουρανού δεσπόζοντος, έγερσιν διδαχθώμεν, καί πρός ζωήν,
εν μνημείω δράμωμεν σύν τώ Πέτρω,
καί τό πραχθέν θαυμάσαντες, μείνωμεν Χριστόν βλέψαι.

Θεοτοκίον

Τό χαίρετε φθεγξάμενος, διημείψω τήν λύπην,
τών Προπατόρων Κύριε, τήν χαράν αντεισάγων ,
εγέρσεώς σου εν κόσμω, //
ταύτης ούν ζωοδότα,
διά τής Κυησάσης σε, φώς φωτίζον καρδίας, φώς οικτιρμών,
τών σών εξαπόστειλον τού βοάν σοι,
Φιλάνθρωπε, Θεάνθρωπε, δόξα τή σή Εγέρσει.

Є҆ѯапостїла́рїй д҃:

Добродѣ́тельми блиста́вшесѧ, ви́димъ предстоѧ́ща
въ живоно́снѣмъ гро́бѣ мꙋ́жа въ блеща́щихсѧ
ри́захъ мѵ҆роно́сицамъ. //
преклóньшымъ ли́ца на зе́млю,
нб҃сы̀ влⷣчествꙋющагѡ воскрⷭ҇нїю да наꙋчи́мсѧ, и҆ къ живо́тꙋ
въ гро́бѣ притеце́мъ съ петро́мъ:
и҆ содѣ́ѧнномꙋ ᲂу҆ди́вльшесѧ пребꙋ́демъ хрⷭ҇та̀ ви́дѣти.

Бг҃оро́диченъ:

Ра́доватисѧ вѣща́вый, претвори́лъ є҆сѝ печа́ль
прароди́телей гдⷭ҇и, ра́дость вносѧ̀
воста́нїѧ твоегѡ̀ въ мі́рѣ: //
тогѡ̀ ᲂу҆́бѡ живода́вче,
ро́ждшею тѧ̀, свѣ́тъ просвѣща́ющъ сердца̀, свѣ́тъ щедро́тъ
твои́хъ низпослѝ, є҆́же вопи́ти тебѣ̀:
чл҃вѣколю́бче бг҃очеловѣ́че, сла́ва твоемꙋ̀ воста́нїю.

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ Ε'

Η ζωή καί οδός Χριστός, εκ νεκρών τώ Κλεόπα
καί τώ Λουκά συνώδευσεν, οίς περ καί επεγνώσθη,
εις Εμμαούς κλών τόν άρτον, //
ών ψυχαί καί καρδίαι,
καιόμεναι ετύγχανον, ότε τούτοις ελάλει εν τή οδώ,
καί Γραφαίς ηρμήνευεν, ά υπέστη,
μεθ' ών , Ηγέρθη, κράξωμεν, ώφθη τε καί τώ Πέτρω.

Θεοτοκίον

Υμνώ σου τό αμέτρητον, έλεος Ποιητά μου,
ότι σαυτόν εκένωσας, τού φορέσαι καί σώσαι,
φύσιν βροτών κακωθείσαν, //
καί Θεός ών ηνέχου,
εκ τής αγνής θεόπαιδος, κατ' εμέ τού γενέσθαι, καί κατελθείν,
μέχρις Άδου, θέλων με τού σωθήναι,
πρεσβείαις της Τεκούσης σε, Δέσποτα πανοικτίρμον.

Ѥ҆ѯапостїла́рїй є҃:

Живо́тъ и҆ пꙋ́ть, хр҇то́съ (воста̀) и҆з̾ ме́ртвыхъ, клео́пѣ
и҆ лꙋцѣ̀ спꙋтеше́ствова, и҆̀маже и҆ позна́сѧ
во є҆ммаꙋ́сѣ прело́млѧѧ хлѣ́бъ: //
є҆ю́же дꙋ́шы и҆ сердца̀
горѧ́щѧ бѧ́хꙋ, є҆гда̀ тѣ́мъ глаго́лаше на пꙋтѝ,
и҆ писа̑нїѧ сказова́ше, ꙗ҆̀же претерпѣ̀.
съ ни́мже, воста̀, зове́мъ, ꙗ҆ви́сѧ же и҆ петро́ви.

Бг҃оро́диченъ:

Пою̀ безчи́сленнꙋю твою̀ ма́ть, тво́рче мо́й,
ꙗ҆́кѡ себѐ и҆стощи́лъ є҆сѝ, понестѝ и҆ сп҃стѝ
человѣ́ческое є҆стество̀ ѡ҆ѕло́бленное: //
и҆ бг҃ъ сы́й, и҆зво́лилъ є҆сѝ,
ѿ ч҇тыѧ бг҃оѻтроко́вицы, по мнѣ̀ бы́ти, и҆ сни́ти
да́же до а҆́да, хотѧ̀ мѧ̀ сп҃сти́сѧ,
мл҃твами ро́ждшїѧ тѧ̀, влⷣко всеще́дрый.

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ ΣΤ'

Δεικνύων ότι άνθρωπος, Σώτερ εί κατ' ουσίαν,
εν μέσω στάς εδίδασκες, αναστάς εκ τού τάφου,
καί βρώσεως συμμετέσχες,
βάπτισμα μετανοίας,
ευθύς δέ πρός ουράνιον, ανελήφθης Πατέρα, καί Μαθηταίς,
πέμπειν τόν Παράκλητον επηγγείλω,
Υπέρθεε Θεάνθρωπε, δόξα τή σή Εγέρσει.

Θεοτοκίον

Ο Ποιητής τής κτίσεως καί Θεός τών απάντων,
σάρκα βροτείαν έλαβεν, εξ αχράντων αιμάτων,
σού παναγία Παρθένε
καί γάρ φθαρείσαν πάσαν,
τήν φύσιν εκαινούργησε, πάλιν ώς πρό τού τόκου, καταλιπών,
μετά τόκον, όθεν πιστώς σε πάντες,
ανευφημούμεν κράζοντες, Χαίρε Δέσποινα κόσμου.

Є҆ѯапостїла́рїй ѕ҃:

Показꙋ́ѧ, ꙗ҆́кѡ человѣ́къ є҆сѝ сп҃се, по сꙋ́ществꙋ̀,
посредѣ̀ ста́въ ᲂу҆чи́лъ є҆сѝ, воскр҃съ ѿ гро́ба,
и҆ бра́шна сопричасти́всѧ,
кр҃ще́нїю покаѧ́нїѧ.
А҆́бїе же къ нб҃сномꙋ̀ возне́слсѧ є҆сѝ ѻ҆ц҃ꙋ̀, и҆ ᲂу҆ч҃нкѡ́мъ
ᲂу҆тѣ́шителѧ посла́ти ѡ҆бѣща́лъ є҆сѝ
пребж҃е́ственный бг҃очеловѣ́че: сла́ва твоемꙋ̀ воста́нїю.

Бг҃оро́диченъ:

Творе́цъ созда́нїѧ, и҆ бг҃ъ всѣ́хъ,
пло́ть чл҃вѣ́ческꙋю прїѧ́тъ ѿ пречⷭ҇тыхъ крове́й
твои́хъ, всестⷭ҇а́ѧ дв҃о, //
и҆ и҆стлѣ́вшее моѐ всѐ
є҆стество̀ новосодѣ́ла, па́ки ꙗ҆́коже пре́жде рж҃ства̀ ѡ҆ста́вль
по рж҃твѣ̀, тѣ́мже вѣ́рнѡ тѧ̀ всѝ
восхвалѧ́емъ, зовꙋ́ще: ра́дꙋйсѧ вл҃чце мі́ра.

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ Ζ'

Ότι ήραν τόν Κύριον, τής Μαρίας ειπούσης,
επί τόν τάφον έδραμον, Σίμων Πέτρος, καί άλλος,
Μύστης Χριστού, όν ηγάπα, //
έτρεχον δέ οί δύο,
καί εύρον τά οθόνια, ένδον κείμενα μόνα, καί κεφαλής,
ήν δέ τό σουδάριον χωρίς τούτων,
διό πάλιν ησύχασαν, τόν Χριστόν έως είδον.

Θεοτοκίον

Μεγάλα καί παράδοξα, δι' εμέ κατειργάσω,
Χριστέ μου πολυέλεε, εκ Παρθένου γάρ Κόρης,
ετέχθης ανερμηνεύτως, //
καί Σταυρόν κατεδέξω,
καί θάνατον υπομείνας, εξανέστης εν δόξη, καί τήν ημών,
φύσιν ηλευθέρωσας τού θανάτου,
Δόξα Χριστέ τή δόξη σου, δόξα τή σή δυνάμει.

Є҆ѯапостїла́рїй з҃:

Ꙗ҆́кѡ взѧ́ша гдⷭ҇а, марі́и ре́кшей,
на гро́бъ тече́ста, сі́мѡнъ пе́тръ, и҆ дрꙋгі́й
таи́нникъ хрⷭ҇то́въ, є҆го́же люблѧ́ше: //
тече́ста же ѻ҆́ба,
и҆ ѡ҆брѣто́ста плащани̑цы є҆ди́ны вн꙯ꙋтрь лежа́щѧ, и҆ главны́й
же бѣ̀ сꙋда́рь кромѣ̀ и҆́хъ.
тѣ́мже па́ки ᲂу҆молча́ста, до́ндеже хрⷭ҇та̀ ви́дѣста.

Бг҃оро́диченъ:

Ве́лїѧ и҆ пресла̑внаѧ менѐ ра́ди содѣ́ѧлъ є҆сѝ
хрⷭ҇тѐ мо́й многомлⷭ҇тиве: ѿ дв҃ы бо ѻ҆трокови́цы
роди́лсѧ є҆сѝ неизрече́ннѡ, //
и҆ крⷭ҇тъ под̾ѧ́лъ є҆сѝ,
и҆ сме́рть претерпѣ́въ воскрⷭ҇нъ є҆сѝ во сла́вѣ, и҆ на́ше
є҆стество̀ свободи́лъ є҆сѝ ѿ сме́рти.
сла́ва хрⷭ҇тѐ сла́вѣ твое́й, сла́ва си́лѣ твое́й.

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ Η'

Δύο Αγγέλους βλέψασα, ένδοθεν τού μνημείου,
Μαρία εξεπλήττετο, καί Χριστόν αγνοούσα,
ώς Κηπουρόν επηρώτα, //
Κύριε πού τό σώμα,
τού Ιησού μου τέθεικας; κλήσει δέ τούτον γνούσα είναι αυτόν,
τόν Σωτήρα ήκουσε, Μή μου άπτου,
πρός τόν Πατέρα άπειμι, ειπέ τοίς αδελφοίς μου.

Θεοτοκίον

Τριάδος Κόρη τέτοκας, απορρήτως τόν ένα,
διπλούν τή φύσει πέλοντα, καί διπλούν ενεργεία,
καί ένα τή υποστάσει, //
τούτον ούν εκδυσώπει,
αεί υπέρ τών πίστει σε, προσκυνούντων εκ πάσης επιβουλής,
τού εχθρού λυτρώσασθαι, ότι πάντες,
πρός σέ νύν καταφεύγομεν, Δέσποινα Θεοτόκε.

Е҆ѯапостїла́рїй и҃:

Два̀ а҆́гг҃ла ви́дѣвши внꙋ́трь гро́ба,
марі́а ѹ҆диви́шесѧ, и҆ хрⷭ҇та̀ не зна́ющи,
ꙗ҆́кѡ вертогра́дарѧ вопроша́ше: //
гдⷭ҇и, гдѣ̀ тѣ́ло
і҆и҃са моегѡ̀ положи́лъ є҆сѝ; зва́нїемъ же того̀ позна́вши бы́ти самого̀
сп҃са, слы́ша: не прикаса́йсѧ мнѣ̀,
ко ѻ҆ц҃ꙋ̀ ѿхождꙋ̀, рцы̀ бра́тїи мое́й.

Бг҃оро́диченъ:

Ѽ трⷪ҇цы родила̀ є҆сѝ ѻ҆трокови́це, є҆ди́наго неизрече́ннѡ
во двою̀ є҆стествꙋ̀ сꙋ́ща, и҆ сꙋгꙋ́ба дѣ́йствомъ,
и҆ є҆ди́наго ѵ҆поста́сїю. //
того̀ ѹ҆́бѡ молѝ
при́снѡ, ѡ҆ и҆̀же вѣ́рою покланѧ́ющихсѧ, ѿ всѧ́кагѡ навѣ́та
вра́жїѧ и҆зба́витисѧ: ꙗ҆́кѡ всѝ
къ тебѣ̀ ны́нѣ прибѣга́емъ, вл҃чце бц҃е.

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ Θ'

Συγκεκλεισμένων Δέσποτα, τών θυρών ως εισήλθες,
τούς Αποστόλους έπλησας, Πνεύματος παναγίου,
ειρηνικώς εμφυσήσας, //
οίς δεσμείν τε καί λύειν,
τάς αμαρτίας είρηκας, καί οκτώ μεθ' ημέρας, τήν σήν πλευράν,
τώ Θωμά υπέδειξας καί τάς χείρας.
Μεθ' ού βοώμεν, Κύριος, καί Θεός σύ υπάρχεις.

Θεοτοκίον

Τόν σόν Υιόν ώς έβλεψας, αναστάντα εκ τάφου,
τριήμερον Θεόνυμφε, *panagía parthéne*
άπασαν θλίψιν απέθου,
ήν υπέστης ώς Μήτηρ, //

ότε κατείδες πάσχοντα, καί χαράς εμπλησθείσα, σύν τοίς αυτού,
Μαθηταίς γεραίρουσα τούτον ύμνεις.
Διό τούς Θεοτόκον σε, νύν κηρύττοντας σώζε.

Єѯапостїла́рїй д҃:

Заключє́ннымъ влⷣко дверемъ, ꙗ҆́кѡ вше́лъ є҆сѝ,
а҆пⷭ҇лы и҆спо́лнилъ є҆сѝ дх҃а прест҃а́гѡ,
ми́рнѡ дꙋ́нꙋвъ: //
и҆́мже вѧза́ти же и҆ рѣша́ти
грѣхѝ ре́клъ є҆сѝ: и҆ по ѻ҆смѝ дне́хъ твоѧ̑ ре́бра
ѳѡмѣ̀ показа́лъ є҆сѝ, и҆ рꙋ́цѣ.
съ ни́мже вопїе́мъ: гдⷭ҇ь и҆ бг҃ъ ты̀ є҆сѝ.

Бг҃оро́диченъ:

Твоегѡ̀ сн҃а ꙗ҆́кѡ ви́дѣла є҆сѝ ѿ гро́ба воскре́сша
тридне́вна, бг҃оневѣ́стнаѧ, прест҃а́ѧ дв҃о,
всю̀ скорбь ѿложи́ла є҆сѝ, //
ю҆́же подѧ́ла є҆сѝ, ꙗ҆́кѡ мт҃и,
є҆гда̀ оу҆зрѣ́ла є҆сѝ стра́ждꙋща: и҆ ра́дости и҆спо́лншисѧ со є҆гѡ̀
оу҆чн҃кѝ почита́ющи того̀, пое́ши.
тѣ́мже и҆̀же бцⷣꙋ тѧ̀ ны́нѣ и҆сповѣ́дающихъ сп҃са́й.

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ Ι'

Τιβεριάδος θάλασσα, σύν παισί Ζεβεδαίου,
Ναθαναήλ τώ Πέτρω τε, σύν δυσίν άλλοις πάλαι,
καί θωμάν είχε πρός άγραν, //
οί Χριστού τή προστάξει,
εν δεξιοίς χαλάσαντες, πλήθος είλκον ιχθύων, όν Πέτρος γνούς,
πρός αυτόν ενήχετο, οίς τό τρίτον
φανείς καί άρτον έδειξε, καί ιχθύν επ' ανθράκων.

Θεοτοκίον

Τόν αναστάντα Κύριον, τριήμερον εκ τού τάφου,
Παρθένε καθικέτευε, υπέρ τών σέ υμνούντων,
καί πόθω μακαριζόντων, //
σέ γάρ έχομεν πάντες,
καταφυγήν σωτήριον, καί μεσίτιν πρός τούτον, κλήρος γάρ σός,
καί οικέται πέλομεν Θεοτόκε,
καί πρός τήν σήν αντίληψιν, άπαντες αφορώμεν.

Є҆ѯапостїла́рїй і҃:

Тїверїа́дское мо́ре съ дѣ́тьмѝ зеведе́евыми,
наѳана́ила съ петро́мъ же и҆ со дрꙋги́ма двѣма̀ дре́вле,
и҆ ѳѡмꙋ̀ и҆мѧ́ше на ло́вѣ: //
и҆̀же хрⷭ҇то́вымъ повелѣ́нїемъ
ѡ҆деснꙋ́ю вве́ргше, мно́жество и҆звлеко́ша ры́бъ: є҆го́же пе́тръ позна́въ,
къ немꙋ̀ бродѧ́ше, и҆̀мже тре́тїе
ꙗ҆вле́йсѧ, и҆ хлѣ́бъ показа̀, и҆ ры́бꙋ на ᲂу҆́глехъ.

Бг҃оро́диченъ:

Воскрⷭ҇шаго гдⷭ҇а тридне́вна ѿ гро́ба,
дв҃о, молѝ ѡ҆ воспѣва́ющихъ тѧ̀,
и҆ любо́вїю бл҃жа́щихъ:
тебе́ бо и҆́мамы всѝ
прибѣ́жище сп҃си́тельное, и҆ хода́таицꙋ къ немꙋ̀: наслѣ́дїе бо твоѐ,
и҆ раби̇̀ є҆смы̀ бцⷣе,
и҆ къ твоемꙋ̀ застꙋпле́нїю всѝ взира́емъ.

ΕΞΑΠΟΣΤΕΙΛΑΡΙΟΝ ΙΑ'

Μετά τήν θείαν Έγερσιν, τρίς τώ Πέτρω, φιλείς με,
πυθόμενος ο Κύριος τών ιδίων προβάτων,
προβάλλεται ποιμενάρχην, //
ός ίδων όν ηγάπα,
ο Ιησούς επόμενον, ήρετο τόν Δεσπότην, Ούτος δέ τί;
Εάν θέλω, έφησε, μένειν τούτον,
έως καί πάλιν έρχομαι, τί πρός σέ φίλε Πέτρε;

Θεοτοκίον

Ω φοβερόν μυστήριον ώ παράδοξον θαύμα!
διά θανάτου θάνατος, παντελώς ηφανίσθη,
?????????????
τίς ούν μή ανυμνήσει σου, //
καί τίς μή προσκυνήσει σου, τήν Ανάστασιν Λόγε, καί τήν αγνώς,
εν σαρκί τεκούσάν σε Θεοτόκον.
Ής ταίς πρεσβείαις άπαντας, λύτρωσαι τής γεέννης.

Е҆ѯапостїла́рїй а҃і:

По бж҃е́ственнѣмъ воста́нїи, три́жды петра̀, лю́биши ли мѧ̀,
вопроша́ѧ гд҇ь, свои́хъ ѻ҆ве́цъ
предлага́етъ пастыренача́льника: //
и҆́же ви́дѧ, є҆го́же люблѧ́ше
і҆и҃съ, во слѣ́дъ грѧдꙋ́ща, вопроша́ше вл҃кꙋ: сей же что̀;
а҆́ще хощꙋ̀, речѐ, пребыва́ти семꙋ̀,
до́ндеже и҆ па́ки прїидꙋ̀, что̀ къ тебѣ̀, дрꙋ́же пе́тре;

Бг҃оро́диченъ:

Ѿ стра́шное та́инство, ѽ пресла́вное чꙋ́до!
сме́ртїю сме́рть всеконе́чнѣ погꙋбле́на бы́сть.
????????????? //
кто̀ ᲂу҆́бѡ не воспое́тъ;
и҆ кто̀ не поклони́тсѧ твоемꙋ̀ воскр҇нїю сло́ве, и҆ чи́стѡ
ро́ждшей тѧ̀ пло́тїю бцⷣѣ;
є҆ѧ́же мл҃твами, всѣ́хъ гее́нны и҆зба́ви.

25.3. Zvestovanie presv. Bohorodičke

Αγγελικών δυνάμεων,   Στρατηγός απεστάλη,
εκ Θεού Παντοκράτορος,   πρός Αγνήν καί Παρθένον,
ευαγγελίσασθαι ξένον,
καί απόρρητον θαύμα,
ότι Θεός ως άνθρωπος,   εξ αυτής βρεφουργείται,   άνευ σποράς,
αναπλάττων βρότειον   άπαν γένος,
Λαοί ευαγγελίζεσθε,   τήν ανάπλασιν κόσμου.

Θεοτοκίον

Χαίρε κατάρας λύτρωσις,   τού Αδάμ Θεοτόκε,
χαίρε σεμνή Μητρόθεε,   χαίρε έμψυχε βάτε,
χαίρε λαμπάς, χαίρε θρόνε, //
χαίρε κλίμαξ καί πύλη,
χαίρε τό θείον όχημα,   χαίρε κούφη νεφέλη,   χαίρε ναέ,
χαίρε στάμνε πάγχρυσε,   χαίρε όρος,
χαίρε σκηνή καί τράπεζα,   χαίρε Εύας η λύσις.

Свѣти́ленъ, Подо́бенъ: Со оу҆ченикѝ:

А҆́гг҃льскихъ си́лъ   а҆рхїстрати́гъ по́сланъ бы́сть
ѿ бг҃а вседержи́телѧ   къ ч҃тѣ́й и҆ дв҃ѣ,
благовѣсти́ти стра́нное
и҆ неизрече́нное чꙋ́до:
занѐ бг҃ъ, ꙗ҆́кѡ чл҃вѣ́къ,   и҆з̾ неѧ̀ младодѣ́йствꙋетсѧ   безъ сѣ́мене,
назида́ѧй человѣ́ческїй   ве́сь ро́дъ:
лю́дїе, благовѣсти́те   ѡ҆бновле́нїе мі́ра.

© 2010 irmologion.nfo.sk